

16/01/28 पत्रावली के दृष्टि पर

व इनके अचिन्त्या अरुपात्मिका

आवाज लिखाई गयी केने

अरुपात्मिका । बार-बार


आवाज लिखाई गयी । प्राची

व इनके अचिन्त्या अरुपात्मिका

कहा प्राची का प्राचीक पत्र अरु

हामी, कइत देखी वखावीक

ठिपा गाल हई । पत्रावली न २००

के कल घुमेर ५॥॥ पर

ए 